त्रैमासिक सूचना पत्र

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

आइ.एस.ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का एकमात्र प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान - डी ओ टी (020)
6122271,6125030,6127545,6123436
रेलवे 5870

छात्रावास - डी ओ टी (020)
6130579, 6126816
रेलवे 5861

फैक्स : 020-6128677
ई-मेल : iricen@vsnl.com
टेलिग्राम : रेलपथ
वेब साइट : http://www.iricen.com

वर्ष - चतुर्थ | अंक - प्रथम | जनवरी - मार्च 2000

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1) आइ.एस.ओ. : 9001 प्रमाण पत्र
2) भारतीय विज्ञान काँग्रेस
3) रेल पथ मानक समिति की बैठक
4) गणतंत्र दिवस स्वर्ण जयंती समारोह
5) मुख्य निर्माण इंजीनियरों का सेमिनार
6) इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) का सेमिनार तथा गतिविधियां
7) वेब साइट
8) मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार
9) मलेशिया के रेल इंजीनियरों का पाठ्यक्रम
10) पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे पर फील्ड पाठ्यक्रम
11) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 66 वीं बैठक
12) राणे रोलिंग ट्रॉफ़ी
13) स्थापना दिवस समारोह
14) सेमिनार
15) प्रशिक्षण सांख्यिकी - 1999-2000
16) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
17) सी-डैक का प्रशिक्षण कार्यक्रम
18) सिविल इंजीनियरी शब्दावली
19) आपके पत्र



(दाएं से चित्र में श्री आर. एम. ओगले, मुख्य अतिथि, स्थापना दिवस के अवसर पर निदेशक, इरिसेन को आइ. एस. ओ. : 9001 प्रमाण प्रदान करते हुए)

1 आइ. एस. ओ. : 9001 प्रमाणपत्र

मेसर्स एन.वी.टी. क्वालिटी सर्टिफिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलोर द्वारा अंतिम लेखा परीक्षा के उपरांत, प्रमाण पत्र जारी करने वाले अंतर्राष्ट्रीय डच निकाय KEMA (हॉलैन्ड) ने संस्थान को आइ. एस. ओ. : 9001 से प्रमाणित किया हैं। यह प्रमाणपत्र मिलने से संस्थान के पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता अंतर्राष्ट्रीय मापदंड पर सिद्ध होती हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय रेलवे में आइ. एस. ओ. : 9001 प्रमाण प्राप्त करने वाला इरिसेन प्रथम एवं एकमात्र संस्थान हैं।

संपादकीय

नव वर्ष / नई सदी / नई सहस्त्राब्दि की असीम शुभकामनाओं के साथ चतुर्थ वर्ष का प्रथम अंक आपके हाथों में सौंपते हुए मुझे अतीव प्रसन्नता का अनुभव हो रहा हैं।

नव वर्ष की प्रथम तिमाही में हमें आइ.एस.ओ. : 9001 प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है, इससे हमारे पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता अंतर्राष्ट्रीय मापदंड पर सिद्ध हुई है। यह हमारे संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं।

आपके प्रत्येक पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ा जाता है, प्रकाशनयोग्य पत्र प्रकाशित भी किए जाते हैं। आपके सुझावों के अनुसार इस अंक में इंजीनियरी शब्दावली दी जा रही है, अन्य सुझाव यथासमय कार्यान्वित किए जायेंगे।

साहित्यिक खंड 'सृजन' हेतु छोटी-छोटी कविताएं, लघुकथाएं लेख आदि भेजें, प्रकाशन के बाद रेलवे बोर्ड द्वारा स्वीकृत दरों पर मानदेय की भी व्यवस्था है। अपनी रचना के साथ इस आशय का प्रमाण पत्र भी भेजें कि यह रचना सर्वथा मौलिक, अप्रकाशित एवं अप्रसारित हैं।

आपके सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं का इंतजार रहेगा।

संरक्षक
विनोद कुमार
निदेशक
इरिसेन, पुणे

मुख्य संपादक
डॉ.शैलेश कुमार सिन्हा
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक- रेलपथ - I

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
एन. एल. नाड़गौड़ा
सह प्राध्यापक
एम. बाबू मुख्य तक. सहा.

2 भारतीय विज्ञान कांग्रेस

दि. 3 से 7 जनवरी तक पुणे में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का अधिवेशन सम्पन्न हुआ, जिसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री जी ने किया था। इस अवसर पर रेल मंत्रालय की ओर से संस्थान ने एक प्रदर्शनी लगाई थी। इसमें अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन, लखनऊ व इरिसेन का योगदान महत्त्वपूर्ण था।

3 रेल पथ मानक समिति की बैठक

दि. 5 तथा 6 जनवरी को लखनऊ में रेल पथ मानक समिति की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें संस्थान के निदेशक ने अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

4 गणतंत्र दिवस स्वर्ण जयंती समारोह

संस्थान में दि. 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का स्वर्ण जयंती समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया। प्रातः संस्थान के प्रांगण में निदेशक श्री विनोद कुमार ने ध्वजारोहण किया तथा उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को संबोधित किया। अपने प्रेरक एवं रोचक भाषण में आपने अपने निर्धारित कर्तव्यों का पालन कर देश की प्रगति में अपना योगदान देने की अपील की।



(चित्र में श्री विनोद कुमार, निदेशक संबोधित करते हुए।)

5 मुख्य निर्माण इंजीनियरों का सेमिनार

दि. 10 तथा 11 जनवरी को निर्माण संगठन के मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार सम्पन्न हुआ, जिसमें वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के 8 अधिकारियों ने भाग लिया तथा अपनी परियोजनाओं पर प्रस्तुतिकरण दिए।

6 इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) का सेमिनार तथा गतिविधियां

दि. 17 तथा 18 जनवरी को कलकत्ता में सम्पन्न आई. पी. डब्ल्यु. ई. (आई.) के राष्ट्रीय तकनीकी सेमिनार में इरिसेन द्वारा निम्नलिखित तकनीकी प्रस्तुतिकरण दिए गए :

(i) श्री अरबिंद कुमार, वरिष्ठ प्राध्यापक, रेल पथ द्वारा - "90 यू टी एस रेलों का प्रहस्तन - फील्ड में कॉमन गलतियां तथा सुझाव।"

(ii) डॉ. एस. के. सिन्हा, प्राध्यापक, रेल पथ 1 द्वारा - "90 या उच्चतर यू टी एस रेलों के प्रहस्तन के लिए अतिरिक्त सावधानी - क्यों ?"

माह जनवरी में IPWE (I) पुणे स्थानीय चैप्टर की व्याख्यान मालाओं के क्रम में श्री. अरबिंद कुमार, वरिष्ठ प्राध्यापक (रेल पथ) ने "वक्र पुर्नसंरेखण के लिए उचित मानदंड" विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया।

इसके अलावा माह फरवरी में आइ. पी. डब्ल्यु. ई. (आई) पुणे चैप्टर की व्याख्यान मालाओं के क्रम में डॉ. एम. शेषगिरी राव, सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक, राईट्स ने "मिश्रित आमान पर कांटे एवं पारक" विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया।

7 वेब साईट

संस्थान की वेब साइट हिंढी में भी उपलब्ध है। इस वेब साइट को डायनामिक फ़ोंट्स मे बनाकर हायपरलिंक किया गया है, जिससे ये आसानी से ओपन हो जाती है। निदेशक (राजभाषा), रेलवे बोर्ड ने इसे अंत्यंत महत्त्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए संस्थान के इस प्रयास की सराहना की है तथा सभी रेलों, उत्पादन इकाईयों एवं अन्य कार्यालयों को इरिसेन द्धारा अपनाई गई प्रविधि का अनुकरण करने को कहा गया है।

8 मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार

दि. 14 फरवरी को मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार सम्पन्न हुआ, जिसमें वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के 10 अधिकारियों ने भाग लिया तथा सामयिक रुचि के महत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस सेमिनार के बाद दि. 15 तथा 16 फरवरी को पुल मानक समिति की असाधारण बैठक सम्पन्न हुई।

9 मलेशिया के रेल इंजीनियरों का पाठ्यक्रम

संस्थान में दि. 21 फरवरी से मलेशिया के रेल इंजीनियरों के लिए रेल पथ एवं पुलों पर 4 सप्ताह का एक विशेष पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस पाठ्यक्रम का 2 सप्ताह का द्वितीय चरण जून 2000 में कुआलालमपुर में सम्पन्न होगा। इरकॉन द्वारा प्रायोजित इस पाठ्यक्रम में मलेशिया की रेलवे के 12 इंजीनियरों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम के बारें में मलेशिया के एक रेलवे इंजीनियर के विचार उन्हीं के शब्दों में- *"with the limited time and task of having so many topics to cover the coverage given is adequate and Professors/Assistant Professors have done a marvellous job in preparig notes which were easily understood."*



(चित्र में मलेशिया के कुछ प्रशिक्षु रेलवे इंजीनियर)

10 पूर्वोत्तर सीमांत रेल पर फील्ड पाठ्यक्रम

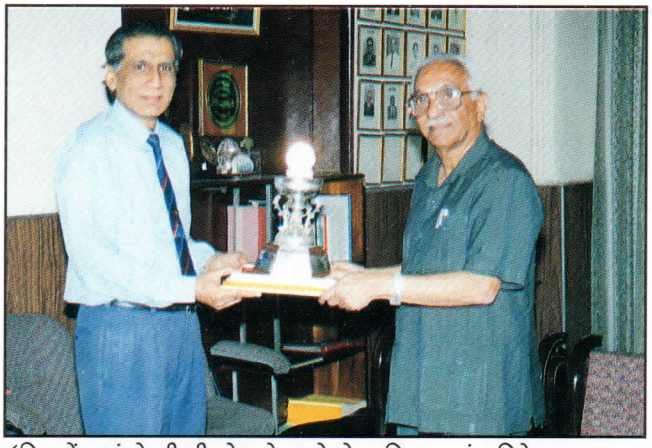
महाप्रबंधक (निर्माण), पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अनुरोध पर, संस्थान द्वारा दिनांक 29 फरवरी से 1 मार्च तक अगरतला में ''कंक्रीट प्रौद्योगिकी'' पर फील्ड पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 39 अधिकारियों/पर्यवेक्षकों ने भाग लिया ।

11 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 66 वीं बैठक

दि. 3 मार्च को संस्थान में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 66 वीं बैठक सम्पन्न हुई । बैठक में दि. 31-12-99 को समाप्त तिमाही की अवधि की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई ।

12 राणे रोलिंग ट्रॉफ़ी

श्री. वी. के. जे. राणे, सेवा निवृत्त, प्रबंध निदेशक, इरकॉन ने इरिसेन को रोलिंग ट्रॉफ़ी प्रदान की है । प्रत्येक वर्ष के सर्वश्रेष्ठ आई. आर. एस. ई. परीवीक्षार्थी को उसके उत्तम कार्य निष्पादन के लिए इस ट्रॉफ़ी से पुरस्कृत किया जाएगा ।



(चित्र में दाएं से श्री वी. के. जे. राणे सेवा निवृत्त प्रबंध निदेशक, इरकॉन, निदेशक इरिसेन, पुणे को राणे रोलिंग ट्राफ़ी सौंपते हुए ।)

13 स्थापना दिवस समारोह

दि. 25 मार्च को संस्थान ने अपना 42 वां स्थापना दिवस मनाया । स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर छात्रावास में प्रशिक्षु अधिकारियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया । श्री. आर. एम. ओगले, पूर्व ए.जी.एम, द.म.रे. तथा पूर्व प्राचार्य, इरिसेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे । श्री. के. बी. शंकरन, महाप्रबंधक, मध्य रेलवे ने इस अवसर पर 'रेलनेट' सम्पर्क का उद्घाटन किया । इस अवसर पर 'कार्य नियमावली' के सी डी रॉम संस्करण का विमोचन किया गया । रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य गण श्री. एल. सी. जैन तथा श्री. एन. सी. बिंदलीश भी मंच पर आसीन थे । कार्यक्रम का संचालन श्री. सुधीर जैन प्राध्यापक / प्रशिक्षण तथा श्री. विपिन पवार, राजभाषा सहायक - I ने किया ।



(चित्र में दीप प्रज्वलित करते हुए श्री.ओगले, दाईं ओर श्री. शंकरन, महाप्रबंधक, मध्य रेल, बाईं ओर श्री. विनोद कुमार, निदेशक)

14 सेमिनार

स्थापना दिवस समारोह के एक भाग के रूप में 'सिविल इंजीनियरी में गुणवत्ता' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें 1973 बैच के सिविल इंजीनियरों ने भाग लिया ।

15 प्रशिक्षण सांख्यिकी 1999-2000

वित्त वर्ष 1999-2000 में प्रशिक्षण की सीटों के उपयोग का प्रतिशत 95.5 रहा, जबकि वर्ष 1998-99 में यह 95% था ।

16 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	अधिकारियों की कोटि
	से	तक		
29.	29.05.2000	02.06.2000	भवन निर्माण एवं अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा., चयन श्रेणी
30.	05.06.2000	09.06.2000	कंक्रीट प्रौद्योगिकी पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा., अ.वे.मा.
05.	19.06.2000	30.06.2000	भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा (परी.) 1997 परीक्षा के लिए तैनाती परीक्षा	भा.रे.इं.से.(परी.)
32.	03.07.2000	07.07.2000	अवपथन जांच पड़ताल पर विशेष पाठ्यक्रम	रेल पथ अनुरक्षण से संबंधित अधिकारी
33.	10.07.2000	28.07.2000	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल)	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा., चयन श्रेणी
34.	10.07.2000	11.07.2000	मुख्य रेल पथ इंजीनियर (मशीन) का सेमिनार	मु.रे.प. इंजी. (मशीन)
55.	17.07.2000	21.07.2000	लंबी झलाईकृत रेलें एवं कंक्रीट स्लीपर रेल पथ के अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्र.वे.मा., अ.वे.मा., (रेल पथ अनुरक्षण)
36.	24.07.2000	28.07.2000	कांटें एवं पारकों पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा., चयन श्रेणी
38.	31.07.2000	31.08.2000	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेलपथ)	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा., चयन श्रेणी
56.	31.07.2000	04.08.2000	रेल पथ नवीकरण पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा., अ.वे.मा., (रेल पथ नवीकरण)
06.	03.07.2000	21.07.2000	भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा (परी.) के लिए कंप्यूटर पाठ्यक्रम (समूह 1)	भा.रे.इं.से.(परी.)
07.	31.07.2000	18.08.2000	भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा (परी.) के लिए कंप्यूटर पाठ्यक्रम (समूह 2)	भा.रे.इं.से.(परी.)

17 सी-डैक का प्रशिक्षण कार्यक्रम

सेन्टर फॉर डवलपमेंट ऑफ एडवान्स कंप्युटिंग (सी-डैक) पुणे द्वारा हिंदी के नवीनतम साफ्टवेयरों जैसे लीप ऑफिस 2.0, लीला प्रबोध एवं मंत्र का प्रदर्शन दि. 22.2.2000 को संस्थान में किया गया । इस अवसर पर संस्थान के सभी कंप्यूटर उपयोगकर्ताओं के अतिरिक्त प्रशिक्षु अधिकारी भी उपस्थित थे, संस्थान के लिए यह प्रदर्शन बहुत उपयोगी साबित हुआ ।

18 सिविल इंजीनियरी शब्दावली

1)	Track Monitoring	-	रेल पथ प्रबोधन
2)	Points and Crossings	-	कांटे एवं पारक
3)	Derailment	-	अवपथन
4)	Technology	-	प्रौद्योगिकी
5)	Bridge Design	-	पुल अभिकल्प
6)	Welding	-	झलाई
7)	Contraction	-	संकुचन
8)	Prestressed	-	पूर्व प्रतिबलित
9)	Reinforced	-	प्रबलित
10)	Mechanised	-	यांत्रिकीकृत
11)	Handling	-	प्रहस्तन

19 आपके पत्र

आपका त्रैमासिक सूचना पत्र का चतुर्थ अंक अक्तूबर-नवंबर का प्राप्त हुआ। मैं आभारी हूं कि आपने मुझे यह अंक भेजकर मेरी राय भी माँगी हैं । आपके इस अंक में प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं पाठकों के पत्र दो विषय वस्तु हैं । मेरा निवेदन होगा कि इस तरह की सूचना पत्र में हम पाठकों के प्रश्न एवं उनके उत्तर का एक कॉलम रखे तो यह त्रैमासिक सूचना पत्र संवाद का मंच भी बन सकता है । यद्यपि इसकी भाषा काफी सरल है फिर भी इसे बोलचाल के अधिक निकट रखा जा सके, तो सामग्री सरल, सहज एवं बोधगम्य हो जाती है । उदाहरण के लिए चतुर्दिक, असंभाव्य, हस्तामल्कवत, प्रेषण, दीर्घालाभी आदि शब्दों के स्थान पर बोलचाल के आसान शब्द इसको और अधिक सरल बना देंगे। हिंदी के यशस्वी कवि एवं गांधी वादी विचारक स्व. श्री भवानी प्रसाद मिश्र ने अपनी कविता में कहा है कि

"जिस तरह सब बोलते हैं उस तरह तू लिख
और फिर सबसे बड़ा तू दिख ।"

यदि भवानी भाई की कविता देखें तो उससे लगता है कि जैसे किसी से बातचीत हो रही है । भाषा की सरलता के कारण ही उपन्यास सम्राट प्रेमचंद भारत के अधिक से अधिक लोगों तक आसानी से पहुंच सके हैं । दरअसल हमारी पढ़ाई लिखाई जिस पुस्तकीय भाषा में होती आयी है वह बोलचाल की भाषा से अलग है उससे बहुत जल्दी छुटकारा पाना थोड़ा मुश्किल होता है । परंतु जब हो जाता है, तो बहुत रोचक होता है ।

यदि आप उचित समझे तो अपने सूचना पत्र में भी हर पृष्ठ पर सबसे नीचे कविता के अंश या कोटेशन दे सकते हैं ।

— शाम बोहरे,
रीडर - लोकप्रशासन
मध्यप्रदेश प्रशासन अकादमी, भोपाल

इस सूचना पत्र की सरल, सहज एवं बोधगम्य भाषा की प्रशंसा पाठक गण सदैव करते रहते हैं । आपको जिन शब्दों पर आपत्ति हैं, वे हमारे नहीं, अपितु पाठकों के पत्रों में के हैं । आपके शेष सुझावों को कार्यान्वित किया जा रहा है ।

— संपादक

आपका अक्तूबर-दिसंबर का त्रैमासिक सूचना पत्र मिला । धन्यवाद ।

संक्षिप्त रूप से भारतीय रेल इंजीनियरी विभाग की गतिविधियों का पूरा समाचार मिलता हैं, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सूची से ।

मुझे जनवरी में 98 परीक्षा अधिकारियों को कुछ मूलभूत बातें कहने की प्रेरणा मिली । आपका कार्य जागृत रहने में शुभकामनायें ।

— जी . के. लिमये,
सेवा निवृत्त महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे

आपका पत्र और त्रैमासिक सूचना पत्र की प्रति मिली । आपका बहुत आभार । संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका बहुत सूचना सभर हैं । भाषा सरल, प्रस्तुतिकरण सटीक एवं चित्र सुंदर हैं । शुभेच्छा सह,

— डॉ. मीनाक्षी
वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी,
रेलवे स्टाफ कॉलेज, वडोदरा

आपके संस्थान द्वारा भेजा गया त्रैमासिक सूचना पत्र का अक्तूबर-दिसंबर, 1999 का अंक प्राप्त हुआ । इस अंक में आपके संस्थान की विविध गतिविधियों का चित्रों सहित प्रकाशन निश्चय ही प्रशंसनीय हैं । वर्ष - 1999 के सुसज्जित अन्तिम अंक में गागर में सागर भरने का अदम्य साहस दिखाया हैं । सम्पादक मंडल को बधाई ।

शुभकामनाओं सहित ।

— के. के. गुप्ता
राजभाषा अधिकारी, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर

डॉ. मीनेश कुमार मिश्रा, उपमुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क आंतरिक वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स एम. आर. एंड कंपनी, सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4330449 व्दारा मुद्रित